Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to constitute a Board to look into the possibilities of creating smaller States in the country -laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): आज़ादी के समय देश में बड़े राज्य थे जिनका निर्माण ब्रिटिश सरकार ने औपनिवेशिक सत्ता को बनाए रखने की दृष्टि से किया था। परन्तु आज़ादी के बाद कई छोटे राज्यों का निर्माण हुआ जिन्होंने काफी आर्थिक प्रगति भी की और प्रगति के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को और भी मजबूत किया। इसका एक उदाहरण गुजरात राज्य है जोकि तब के बम्बई प्रान्त से अलग होकर बना जिसने न सिर्फ आर्थिक रूप से प्रगति की, बल्कि अपनी संस्कृति को न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी पहचान बनाई| इसी तरह उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल, गोवा, उत्तराखंड, झारखण्ड, आन्ध्रप्रदेश, तेलेगाना इत्यादि राज्यों का निर्माण स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत हुआ और आंकड़े बताते हैं कि इन राज्यों के निर्माण के उपरांत इन राज्यों ने काफी प्रगति भी की है। परन्तु देश में नए राज्यों की मांग अभी भी जारी है और इस मांग के लिए समय-समय पर जन आन्दोलन भी होते रहे हैं। इन नए राज्यों की मांग में बुंदेलखंड राज्य की मांग भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बुंदेलखंड राज्य की मांग स्वंतत्रता पूर्व की मांग है। इस हेतु फरवरी 1943 में टीकमगढ में बुंदेलखंड प्रान्त निर्माण सम्मेलन आयोजित किया गया और उसके उपरांत लगातार पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग होती रही है। बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग का प्रमुख आधार विकास है। ब्रिटिश काल में एतिहासिक कारणों से बुंदेलखंड क्षेत्र अन्य क्षेत्रों के मुकाबले आर्थिक रूप से काफी पिछड गया और आज़ादी प्राप्ति के उपरांत दो राज्यों में बुंदेलखंड का विभाजन हो गया। संभवत: दो राज्यों में विभक्त होने वाले बुंदेलखंड देश का एकमात्र क्षेत्र है। इन सभी कारणों के समग्र प्रभाव के कारण स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत भी इस क्षेत्र का विकास उस गति से नहीं हो पाया जिस गति से होना चाहिए। इसके अतिरिक्त जहाँ अन्य राज्यों का विभिन्न आधार पर निर्माण हुआ और उन्होंने न सिर्फ आर्थिक प्रगति की, बल्कि अपनी संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन भी किया, परन्तु बुंदेलखंड न सिर्फ आर्थिक रूप से पीछे रह गया, अपितु अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी बड़ी मुश्किल से संभाले हैं और इसके साथ यहाँ बोली जाने वाली बुन्देली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में भी जगह नहीं मिल पाई है। अत: स्वतंत्रता प्राप्ति एवं उसके पश्चात बनाए गए छोटे राज्यों के सर्वांगीण विकास के शानदार प्रदर्शन को दृष्टिगत करते हुए बुंदेलखंड के आर्थिक विकास और संस्कृति के संरक्षण और सर्वर्धन हेतु एवं बुंदेलखंड के संबंध में जनभावनाओं को देखते हुए

जनमानस की मांग की पूर्ति हेतु बुंदेलखंड के लिए नवीन संभावनों पर विचार करना अति आवश्यक है| इस हेतु आपके माध्यम से मेरी सरकार से यह मांग है कि नवीन छोटे राज्यों के निर्माण और संभावनाओं की तलाश हेतु लघु राज्य निर्माण बोर्ड का गठन किया जाए।